महाराष्ट्र हिंदी परिषद की पत्रिका

सार्थक उपलब्धि

E-mail : maharashtrahindiparishad@gmail.com

संपादक : डॉ. मधुकर खराटे
अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, बोधवड महाविद्यालय, बोधवड
पूर्व अधिष्ठाता, कला संकाय, उ. म. वि., जलगांव.

कार्यकारी संपादक : प्रा. राजेंद्र रोटे
कोषाध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
सहयोगी प्राध्यापक, हिंदी विभाग, महावीर महाविद्यालय
पूर्व सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी

महाराष्ट्र हिंदी परिषद का 24 वाँ अधिवेशन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी

कला, विज्ञान व वाणिज्य महाविद्यालय, चिखलदरा

(9 एवं 10 मार्च, 2017)

मान्यवर आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि महाराष्ट्र हिंदी परिषद का 24 वाँ अधिवेशन एवं द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सिपना शिक्षण प्रसारक मंडल, अमरावती संचलित कला, विज्ञान व वाणिज्य महाविद्यालय, चिखलदरा के हिंदी विभाग में ''आधुनिक हिंदी साहित्य के विविध विमर्श'' इस विषय पर दि. 9 एवं 10 मार्च, 2017 को संपन्न होने जा रही है ।

विदर्भ का नंदनवन, मेलघाट व्याघ्र प्रकल्प, वनवासियों का अधिवास, सातुपड़ा पर्वत श्रृंखलाओं में स्थित अति दुर्गम क्षेत्र, आंर्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त स्थान समुद्र सतह से 1188 मीटर (3898 फिट) ऊँचाई पर है । यहाँ का तापमान अधिकतम 39 डिग्री सेल्सियस-न्यूनतम 5 डिग्री सेल्सियस रहता है, जहाँ वार्षिक वर्षा दर 154 सेंटी मीटर है ।

इस हिल स्टेशन को हैद्राबाद रेजीमेंट के कप्तान रॉबिन्सन द्वारा वर्ष 1823 में खोज गया था । अंग्रेजो ने इस स्थान को कॉफी प्लांटेशन और स्वास्थ्य लाभ लेने के लिए विकसित किया था । महाभारत की किवंदन्ती के अनुसार पांडवों के अज्ञातवास के दौरान कीचक नाम के पात्र ने द्रौपदी से अनैतिक व्यवहार करने की कोशिश की थी । अतः क्रोध में आकर भीम ने उसे मारकर भीमकुंड खाई में फेंक दिया था । कीचक के वध के बाद से ही इस स्थान का नाम किचकदरा पड़ा । आगे चिखलदरा यह नाम प्रचलित हुआ । चिखलदरा वन्यजीवनों के लिए स्वर्ग से कम नहीं है । यहां हजारों की संख्या में पेड़, पौधे और पशु-पक्षी पाएं जाते हैं ।

महाविद्यालय की स्थापना, सिपना शिक्षण प्रसारक मंडल, अमरावती द्वारा 16 अगस्त 1996 को संस्था के अध्यक्ष मा. जगदीशजी मोतिलालजी गुप्ता भुतपूर्व राज्यमंत्री, महाराष्ट्र राज्य इन्होंने वनवासी बंधुओ का शैक्षिक, सामाजिक एवं आर्थिक विकास करने के उद्देश से की । मेलघाट क्षेत्र उच्च शिक्षा की दृष्टि से अत्यंत पिछड़ा हुवा था, यहाँ के क्षेत्रों को उच्छ शिक्षा के लिये 40 कि.मी. दूरी पर जाना पड़ता था । संस्था द्वारा वनवासी बंधुओं के लिये उच्च शिक्षा के द्वार खुले किये गये । महाविद्यालय में केवल ज्ञानार्जन का ही कार्य नहीं किया जाता अपितू छात्रों को व्यावसायिक प्रशिक्षण, खेल-कुद, विज्ञान एवं तंत्रज्ञान, व्यक्तित्व विकास, नगरीय वातावरण की चुनौतियों का सामना करना इत्यादी के लिये तैयार किया जाता है । महाविद्यालय में स्नातक कला, वाणिज्य एवं विज्ञान आदि पाठ्यक्रम पढ़ाये जाते हैं ।

यात्रा मार्गदर्शिका

(अमरावती से चिखलदरा 82 कि.मी.)

चिखलदरा पहूँचने के लिये रेल से सफर करनेवालों के लिये बडनेरा जंक्शन उतरकर अमरावती बस अड्डे पर से परतवाडा और फिर चिखलदरा बस द्वारा पहूँचा जा सकता है ।

अमरावती से चिखलदरा 82 कि.मी. है । शाम के समय 5 और 6 बजे यवतमाल - अमरावती - चिखलदरा बस जाती है ।

● अपने सहयोगी हिंदी प्राध्यापकों को आजीव सदस्य बनने के लिए प्रोत्साहित करें । ●
● हिंदी के सभी प्राध्यापक ''हिंदी शोध संदर्भ कोश'' खरीद कर सहयोग दें । ●

चंद्रपुर में संपन्न महाराष्ट्र हिंदी परिषद के 23 वें अधिवेशन का कार्यवृत्त

महाराष्ट्र हिंदी परिषद का 23 वाँ अधिवेशन एवं 'हिंदी साहित्य की कालजयी रचनाएँ' इस विषय पर आधारित द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सरदार पटेल महाविद्यालय, चंद्रपुर में उत्साह के वातावरण में संपन्न हुई । अधिवेशन का उद्घाटन दि. 22 दिसंबर 2015 के दिन सुबह 11 बजे वर्धा में स्थित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति मा. गिरीश्वर मिश्र जी के कर-कमलों द्वारा किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्वोदय शिक्षा मंडल के अध्यक्ष मा. श्री. शांताराम पोटदुखे जी ने की । प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. मधुकर खराटे, डॉ. कीर्तिवर्धन दीक्षित एवं डॉ. पांडुरंग पाटील उपस्थित थे । डॉ. मधुकर खराटे जी ने परिषद का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया । मा. कुलपति डॉ. गिरीश्वर मिश्र जी ने अपने उद्घाटन भाषण में हिंदी की कालजयी रचनाओं पर मौलिक विचार पेश किये । डॉ. पांडुरंग पाटील जी ने अपने बीज भाषण के अंतर्गत कालजयी रचना के मानदंडों पर विस्तार से प्रकाश डाला । इस अवसर पर परिषद की पत्रिका 'सार्थक उपलब्धि' का मान्यवरों के कर-कमलों द्वारा प्रकाशन किया गया । कार्यक्रम का सुचारू सूत्र-संचालन हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता बनसोड ने किया ।

दोपहर 2.00 बजे प्रथम सत्र उपन्यास विधा पर प्रारंभ हुआ । डॉ. मिथिलेश अवस्थी जी ने विषय का प्रभावी विषय प्रवर्तन किया तथा सत्र की अध्यक्षता डॉ. गीता सिंग जी ने की । द्वितीय सत्र में हिंदी की कालजयी कहानियों पर आधारित था । जिसका विषय प्रवर्तन डॉ. अनिल साळुंके जी ने तथा अध्यक्षता डॉ. भगवान गव्हाडे जी ने की । तृतीय सत्र कालजयी नाटकों पर आधारित था । जिसकी अध्यक्षता डॉ. अरूण घोगरे जी ने तथा विषय प्रवर्तन डॉ. सुरेश शेळके जी ने किया ।

दि. 23 दिसंबर 2015 के दिन सुबह 9.00 बजे चतुर्थ सत्र प्रारंभ हुआ । यह सत्र कालजयी काव्य-कृतियों पर आधारित था । जिसका विषय प्रवर्तन डॉ. मधुकर खराटे जी ने तथा अध्यक्षता डॉ. मनोज पाण्डेय जी ने की । पंचम सत्र अन्य विधाओं की कालजयी रचनाओं पर आधारित था । जिसका विषय प्रवर्तन डॉ. रमाकांत आपरे जी ने तथा अध्यक्षता डॉ. विठ्ठलसिंह ढाकरे जी ने की ।

दोपहर 12.00 बजे परिषद का खुला अधिवेशन प्रारंभ हुआ । इसकी अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष डॉ. मधुकर खराटे जी ने तथा सूत्र-संचालन महासचिव डॉ. विठ्ठलसिंह ढाकरे जी ने किया । डॉ. पांडुरंग पाटील, डॉ. अनिल साळुंके, डॉ. अरूण घोगरे आदि की विशेष उपस्थिति रही । इस अवसर पर डॉ. प्रभात कुमार दुबे जी को सारस्वत सम्मान से, डॉ. कल्पना कांबळे को सर्वोत्तम शोधालेख पुरस्कार से तथा डॉ. विठ्ठलसिंह ढाकरे को अवकाशप्राप्ति के उपलक्ष्य में सम्मानित किया गया । इस अवसर पर डॉ. यादव मेंढे कृत 'दलित साहित्य : सामाजिक सरोकार' तथा डॉ. रवींद्रकुमार शिरसाट कृत 'साहित्यिक विमर्श' नामक ग्रंथों का मान्यवरों के कर-कमलों द्वारा विमोचन किया गया । डॉ. अनिल साळुंखे जी ने गत सभा का इतिवृत्त, आय-व्यय तथा बजट प्रस्तुत कर सभा का अनुमोदन प्राप्त किया । इस अवसर पर खुले अधिवेशन में अनेक प्रस्तावों पर चर्चा होकर उन्हें पारिच किया गया ।

अधिवेशन का समापन दोपहर 1.00 बजे महाविद्यालय के उप-प्राचार्य डॉ. इंगोले जी की अध्यक्षता में हुआ । इस अवसर पर डॉ. मधुकर खराटे, डॉ. पांडुरंग पाटील, डॉ. विठ्ठलसिंह ढाकरे, डॉ. अनिल साळुंखे, डॉ. अरूण घोगरे आदि उपस्थित थे । कार्यक्रम का सूत्र-संचालन डॉ. सुनीता बनसोड ने तथा आभार प्रदर्शन अधिवेशन के संयोजक डॉ. शैलेंद्रकुमार शुक्ल ने किया ।

निवेदन हैं कि...

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के सभी आजीवन सदस्यों से निवेदन है कि वे अपना ई-मेल और भ्रमणध्वनि क्रमांक तुरंत परिषद के ई-मेल पर प्रेषित करे ताकि संपर्क बनाये रखने में सुविधा हो । E-mail : maharashtrahindiparishad@gmail.com

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के पुरस्कार एवं सम्मान

1. अनुवाद पुरस्कार -

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद के हिंदी विभाग द्वारा दिया जाता है । परिषद के आजीवन सदस्य पिछले वर्ष में प्रकाशित अनूदित रचनाओं की दो प्रतियोंसहित प्रविष्ठियाँ 20 फरवरी, 2017 तक अध्यक्ष, हिंदी विभाग, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद के पते पर भेज दें ।

2. मौलिक रचना पुरस्कार -

परिषद के आजीवन सदस्य पिछले वर्ष में लिखे अपने मौलिक ग्रंथों की दो प्रतियाँ तथा प्रविष्ठियाँ 20 फरवरी, 2017 तक डॉ. ओमप्रकाश मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग, हिस्लाप कॉलेज, नागपुर के नाम भेज दें ।

3. सारस्वत सम्मान -

इस पुरस्कार का चयन अष्टम अधिवेशन के संयोजक डॉ. रामजी तिवारी तथा डॉ. मंजुला देसाई, प्राचार्या, हिंदी विभाग, के. सी. कॉलेज, मुंबई - इस समिति द्वारा किया जाएगा ।

4. श्री. वासुदेव होळीकर स्मृति पुरस्कार -

प्रस्तुत पुरस्कार के संदर्भ में प्रा. ओमप्रकाश होळीकर, कम्युनिटी हॉल, होळीकर बिल्डिंग, औसा रोड, लातुर से 25 फरवरी, 2017 तक संपर्क करें ।

5. अवकाश प्राप्त अध्यापकों का सम्मान -

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के आजीवन सदस्यों से अनुरोध हैं कि वे अपने महाविद्यालय के सन 2015-16 में अवकाश प्राप्त परिषद के सदस्यों के नाम तथा आगमन की सूचना 25 फरवरी, 2017 तक संयोजक को लिखित रूप में दें ।

-: संपर्क :-
प्रा. राजेंद्र रोटे
कोषाध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
सहयोगी प्राध्यापक, हिंदी विभाग,
महावीर महाविद्यालय, कोल्हापुर - 416 003
भ्रमणध्वनि - 9637291129

-० संयोजक ०-

डॉ. संगीता जगताप

भ्रमणध्वनि : 9423426825

-० सह संयोजक ०-

प्रा. आनंद बक्षी

भ्रमणध्वनि : 9403839094

दुरभाष (कार्या.) : 07220 - 230409

-० अधिवेशन शुल्क ०-

प्रतिभागी : रु. 1000/- + 300/- (सहयोग राशि)

छात्र : रु. 700/-

महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ

- आप स्वयं तथा अपने साथियों को भी अधिवेशन में सम्मिलित कीजिए ।
- हिंदी के प्राध्यापकों को परिषद के आजीवन सदस्य बनाइए ।
- शैक्षिक वर्ष में राज्य तथा राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त आजीवन सदस्यों की जानकारी तथा अवकाशप्राप्त आजीवन सदस्यों के आगमन की लिखित सूचना संयोजक को दीजिए ।
- पुरस्कार स्वरुप परिषद के पास ठोस रकम तथा प्रस्ताव भेजकर परिषद को समृद्ध बनाइए ।
- लोकार्पण हेतु अपने मौलिक ग्रंथों की दो प्रतियाँ साथ लाइए ।
- संगोष्ठियों में भाग लेकर सक्रिय योगदान दीजिए तथा आगमन की सूचना दीजिए ।
- परिषद के सदस्य एवं प्रतिभागियों से अनुरोध है कि परिषद का प्रकाशन 'हिंदी शोध संदर्भ कोश' स्वयं तथा अपने महाविद्यालय के लिए खरीदकर सहयोग दें ।

- परिषद के नियामक मंडल की बैठक अधिवेशन स्थल पर दि. 8 मार्च, 2017 को सायं. 7.30 बजे संपन्न होगी । नियामक मंडल के सदस्यों की उपस्थिति प्रार्थनीय है ।

-: संगोष्ठियों के विषय :-

''आधुनिक हिंदी साहित्य के विविध विमर्श''

1. नारी विमर्श
2. दलित विमर्श
3. आदिवासी विमर्श
4. कृषक विमर्श
5. अन्य साहित्य विमर्श - बाल, मुस्लिम, किन्नर, वेश्या आदि

-: आलेख भेजने हेतु सूचना :-

1. आलेख 1500 से 2000 शब्दों में हो तथा आलेख रिरायटेबल सीडी कृतिदेव - 50 में दि. 20 फरवरी, 2017 तक संयोजक के पते पर भेजें ।
2. फॉन्ट टाईप 14 एवं A4 साईज पेपर में करें ।
3. आलेख की टंकित प्रति के साथ 100-150 शब्दों तक सार भी प्रेषित करें ।
4. आलेख संयोजक के ई-मेल पर भेज दीजिए : snjascc1@gmail.com
5. आलेख के साथ रु. 1300/- (अधिवेशन शुल्क) का डी.डी. प्राचार्य, कला, विज्ञान व वाणिज्य महाविद्यालय, चिखलदरा द्वारा (केवल सेंट्रल बँक, युनियन बँक, शाखा चिखलदरा में देय) के नाम भेजने पर ही आलेख 'सार्थक उपलब्धि' में प्रकाशित किया जाएगा ।
6. महाराष्ट्र हिंदी परिषद के आजीवन सदस्यों के ही आलेख 'सार्थक उपलब्धि' में प्रकाशित किये जाएंगे ।

-: अधिवेशन की स्थूल रूपरेखा :-

शुक्रवार दि. 9 मार्च, 2017

प्रातः	:	08.30 से 10.00	पंजीकरण तथा जलपान
		10.00 से 12.30	उद्घाटन
दोपहर	:	12.30 से 02.00	प्रथम सत्र
		02.00 से 03.00	भोजन
		03.00 से 04.30	द्वितीय सत्र
		04.30 से 05.30	तृतीय सत्र
सायं.	:	06.30 से 07.30	भोजन
		07.30 से 10.00	सांस्कृतिक समारोह

शनिवार दि. 10 मार्च, 2017

प्रायः	:	07.30 से 08.30	जलपान
		09.00 से 11.00	चतुर्थ सत्र
		11.00 से 12.00	पंचम सत्र
		12.00 से 01.00	खुला अधिवेशन
		01.00 से 02.00	समापन समारोह (सत्कार / लोकार्पण / पुरस्कार)
		02.00 से 03.00	भोजन

(सदस्यों से अनुरोध हैं कि वे खुले अधिवेशन में रखे जानेवाले प्रस्ताव संयोजक के पास सूचक तथा अनुमोदक के नाम एवं हस्ताक्षर के साथ 8 मार्च, 2017 तक दे दें ।)

महाराष्ट्र हिंदी परिषद की कार्यकारिणी

अध्यक्ष

डॉ. मधुकर खराटे
राजेश्वर नगर, फेज - 1,
प्रोफेसर कॉलनी, भुसावल - 425 201
भ्रमणध्वनि - 9422567778

उपाध्यक्ष

डॉ. अनिल सालुंखे
हिंदी विभाग, यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय,
करमाला, भ्रमणध्वनि - 9421023304

डॉ. अरुण घोगरे
पंचायत समिती के सामने, सिव्हिल लाईन,
परतवाडा, जि. अमरावती - 444 805
भ्रमणध्वनि - 9422858299

कोषाध्यक्ष

प्रा. राजेंद्र रोटे
हिंदी विभाग, महावीर महाविद्यालय,
कोल्हापुर - 416 003
भ्रमणध्वनि - 9637291129

प्रधान सचिव

डॉ. गजानन चव्हाण
हिंदी विभाग, श्रीमती गंगाबाई खिवराज घोडावत कन्या महाविद्यालय, जयसिंगपुर
भ्रमणध्वनि - 9890277316

संयुक्त सचिव

डॉ. हणमंतराव पाटील
प्रपाठक, हिंदी विभाग,
डॉ. बा. आं. मराठवाडा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद, भ्रमणध्वनि - 9420547070

विश्वविद्यालय के सहसचिव

डॉ. शिवाजी देवरे, जलगांव
डॉ. पूनम त्रिवेदी, नागपुर
डॉ. भारती शेलके, कोल्हापुर
डॉ. अशोक धुलधुले, पुणे
डॉ. काझी एस. जी. जर्रा, औरंगाबाद
प्रा. दादासो खांडेकर, सोलापुर
डॉ. यादव मेंढे, अमरावती
प्रा. देविदास बामणे, मुंबई
डॉ. देवकीनंदन महाजन, एस.एन.डी.टी.
डॉ. सुजीतसिंह परिहार, नांदेड

पदेन मनोनित सदस्य

डॉ. वसंत केशव मोरे, कोल्हापुर
डॉ. चंद्रदेव कवडे, औरंगाबाद
डॉ. पांडुरंग पाटील, कोल्हापुर
डॉ. अर्जुन चव्हाण, कोल्हापुर
डॉ. सुर्यनारायण रणसुभे, लातुर
डॉ. सुधाकर गोकाककर, गडहिंग्लज
डॉ. नारायण शर्मा, औरंगाबाद

मनोनित सदस्य

डॉ. मनोहर सराफ, भुसावल
प्रा. पांडुरंग कापडणीस, पुणे
डॉ. अंबादास देशमुख, लातुर
डॉ. बाबासाहेब कोकाटे, आंबेजोगाई
डॉ. रमाकांत आपरे, जालना
डॉ. सुरेश सालुंखे, बारामती

महाराष्ट्र हिंदी परिषद का गौरवशाली प्रकाशन
'हिंदी शोध संदर्भ कोश'

महाराष्ट्र में शोध की पुनरावृत्ति न हो तथा शोध में स्तरीयता लाने हेतु परिषद ने महाराष्ट्र के सभी विश्वविद्यालयों में सन् 2000 तक संपन्न शोध-कार्य पर एक परिपूर्ण संदर्भ कोश बनाने की योजना बनाई थी। अथक परिश्रम से सह कार्य संपन्न हो चुका है। शोधार्थियों तथा शोध निर्देशकों के लिए यह कोश दिशानिर्देशक तथा ग्रंथालय के लिए संग्राह्य बन चुका है। इस कोश का मूल्य रु. 400/- है। संस्था / ग्रंथालय के लिए 15% तथा व्यक्ति को 25% छूट दी जाएगी। कोश अधिवेशन स्थल पर उपलब्ध होगा। सन् 2000 के बाद काफी शोधकार्य संपन्न हुआ है। अतः 'शोध-संदर्भ कोश' का द्वितीय खंड तैयार करना जरुरी है। हर एक महाविद्यालय के ग्रंथालय के लिए इसकी एक प्रति खरीदने से ही 'दूसरा खंड' प्रकाशित करना संभव हो सकता है। अतः प्रतिभागियों से अनुरोध हैं कि वे अपने महाविद्यालय से नगद या परिषद के नाम का डी. डी. (कोल्हापुर में देय) अपने साथ ले आए और 'हिंदी शोध संदर्भ कोश' खरीदें।

प्रकाशक एवं कार्यकारी संपादक :
डॉ. गजानन चव्हाण, प्रधान सचिव
प्रा. राजेंद्र रोटे, कोषाध्यक्ष,
महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
2716, डी वॉर्ड, बुधवार पेठ, कोल्हापुर-416002

संपादक :
डॉ. मधुकर खराटे
अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद

प्रेषक,

प्रा. राजेंद्र रोटे
कोषाध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
द्वारा - हिंदी विभाग, महावीर महाविद्यालय,
कोल्हापुर - 416 003.
भ्रमणध्वनि - 9637291129.

सदस्यों में निः शुल्क वितरण के लिए।

बुक-पोस्ट (मुद्रित सामग्री)

प्रतिष्ठा में,

____

____

____

____